

लाचार होकर कुढ़ना, विवश हो जाना 2. झख (झष) पुं. (तद्.) मछली (मत्स्य)।

झखना अ.क्रि. (देश.) झीखना।

झखी स्त्री. (तद्.) मीन, मछली।

झगड़ना अ.क्रि. (देश.) आवेश में आकार विवाद करना, झगड़ा करना, लड़ना।

झगड़ा पुं. (देश.) लड़ाई, वाद-विवाद।

झगड़ालू वि. (देश.) झगड़ा करने वाला, लड़ने-झगड़ने वाला।

झगड़ी स्त्री. (देश.) झगड़ा करने वाली नारी वि. झगड़ा करने वाली।

झगर पुं. (देश.) एक प्रकार की चिड़िया।

झगरी स्त्री. (देश.) दे. झगड़ी।

झगला वि. (देश.) एक प्रकार का ढीला कुरता, अंगरखा, झगुलि, झंगुलिया।

झगा पुं. (देश.) बच्चों का ढीला कुरता, अंगरखा।

झगुलि स्त्री. (देश.) दे. झगा।

झज्झर पुं. (देश.) चौड़े मुँह का पानी रखने का बरतन।

झझक स्त्री. (देश.) झझकने का भाव या क्रिया दे. झिझक मुहा. झझक दूर करना- झिझक या भय दूर करना।

झझकना अ.क्रि. (अनु.) 1. यकायक भड़क उठना 2. झिझकना 3. बड़बड़ाना।

झझकार स्त्री. (देश.) झझकारने की क्रिया या भाव।

झझकारना स.क्रि. (देश.) डपटना, डाँटना, झिझक देना, दुत्कारना।

झझरी वि. (देश.) सीना।

झझिया स्त्री. (देश.) दे. झिझिया।

झट क्रि.वि. (देश.) तत्काल, झटपट, जल्दी, तेजी से।

झटकना स.क्रि. (देश.) 1. झटका देना 2. हथियाना, ऐंठना, छीन लेना 3. कपट या चालाकी से किसी की संपत्ति अपने अधिकार में कर लेना।

झटका पुं. (देश.) 1. हलका धक्का 2. विपत्ति, रोग तथा अन्य कष्ट या शोक के द्वारा कमजोर कर देने वाला आघात या चोट, मुसीबत या हानि।

झटकाना स.क्रि. (तद्.) 1. झटका लगाना 2. खींचना।

झटकारना स.क्रि. (तद्.) 1. झटक देना, जोर से झटका लगाना 2. सलवटेँ मिटाने अथवा ठीक करने के लिए वस्त्र को ताकत से झटकना।

झटपट क्रि.वि. (देश.) 1. अतिशीघ्र 2. तुरंत, तत्काल।

झटा स्त्री. (तत्.) भू-आंवला।

झटाक क्रि.वि. (देश.) 1. झट, फुर्ती या तेजी से।

झटाका क्रि.वि. (देश.) चटपट, तुरंत, जल्दी में ही, तत्काल।

झटि स्त्री. (तत्.) झाड़ी, झाड़, झुप, गुल्म।

झटिका स्त्री. (देश.) जोर से चलने वाली हवा।

झटिति क्रि.वि. (तत्.) तुरंत, तत्काल, झटपट, वेगपूर्वक, जल्दी में।

झटी स्त्री. (देश.) धीरे-धीरे लगातार वर्षा होते रहना, अनवरत (लगातार) धीमी वर्षा प्रयो. बाहर जाना आसान नहीं, देखते हो झटी लगी हुई है।

झड़ पुं. (देश.) झर, धीरे-धीरे लगातार लगा रहने वाला वर्षा का क्रम स्त्री. लगातार तेज हवा के साथ होने वाली तेज वर्षा, झड़ी।

झड़कना स.क्रि. (अनु.) दे. झिझकना।

झड़-झड़ स्त्री. (अनु.) 1. फलों, पत्तों या अन्य वस्तुओं के लगातार गिरने से होने वाली ध्वनि 2. तेजी से जल बरसने की आवाज।

झड़-झड़ाना स.क्रि. (अनु.) 1. झड़झड़ की आवाज होना या पैदा करना 2. झड़झड़ाना 3. झिझक देना या आवेश से बोलना।

झड़न स्त्री. (देश.) 1. झड़ने की स्थिति या क्रिया 2. झड़ने का भाव 3. झाड़ने या झड़ने से निकली या गिरी हुई वस्तु।